INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: IX	Department: Hindi	Date of submission: NA
Question Bank: 6	Topic: एक फूल की चाह	Note: Pl. file in portfolio

1.बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की?

बीमार बच्ची तेज ज्वर से ग्रसित थी। उसने अपने पिता से यह इच्छा प्रकट की कि उसे देवी के प्रसाद का एक फूल लाकर दें । इस इच्छा का कारण संभवत यह था कि उसे लगा कि देवी का प्रसाद पाकर वह ठीक हो जाएगी।

2.सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर उसे दंडित किया गया?

सुखिया के पिता पर मंदिर की चिरकालिक शुचिता को कलुषित करने तथा देवी का अपमान करने का आरोप लगाया गया और इस आरोप के अंतर्गत सुखिया के पिता को न्यायालय ले जाया गया और वहाँ न्यायाधीश द्वारा सात दिनों के कारावास की सजा सुनाई गई।

3. जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया?

जेल से छूटने के बाद वह अपने घर जाता है परन्तु तब तक उसकी बेटी सुखिया की मृत्यु हो चुकी होती है। उसके रिश्तेदारों ने उसका दाह-संस्कार भी कर दिया होता है। वह भागकर श्मशान घाट जाता है जहाँ उसे उसकी बेटी राख की ढेरी के रूप में मिलती है।

4. इस कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

इस कविता द्वारा हमारे समाज में फैली छुआछूत की समस्या की ओर ध्यान दिलाने का प्रयास किया गया है। उच्च कुल के लोग निम्न जाति के लोगों को छूना भी पाप समझते हैं। जबकि सारे इंसानों को एक ही ईश्वर ने बनाया है। कविता में सुखिया के पिता निम्न जाति के होने के कारण उसे अपनी मरणासन्न पुत्री की इच्छा से वंचित कर दिया जाता है जो कि सरासर गलत है। अत: इस कविता के द्वारा कवि हमें इस प्रकार की सामाजिक बुराई को दूर करने की ओर संकेत करते हैं।

5. मंदिर के सौन्दर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

कवि ने मंदिर के सौन्दर्य का वर्णन करते हुए कहा कि पर्वत की ऊँची चोटी पर विस्तृत -विशाल मंदिर स्थित था । उसके स्वर्ण कलश सूर्य की किरणों का स्पर्श पाकर ऐसे चमक रहे थे मानो सुनहरे कमल खिल गए हों । मंदिर के आँगन में धूप और दीप की सुगंध चारों ओर फैली हुई थी । मंदिर के अंदर और बाहर उत्सव की प्रसन्नता से भरी आवाजें गूँज रही थीं ।

5. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट करते हुए उनका अर्थ-सौंदर्य बताइए –

1. अविश्रांत बरसा करके भी
आँखें तनिक नहीं रीतीं

उत्तर:- आशय – इन पंक्तियों का आशय यह है कि सुखिया के पिता की आँखों से सात दिनों तक आँसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे।

अर्थ सौंदर्य – इन पंक्तियों में लगातार रोने की दशा का वर्णन है। बादल भी बरसकर एक समय बाद थक जाते हैं परन्तु यहाँ पर एक व्यथित पिता के आँसू थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं।

2. बुझी पड़ी थी चिता वहाँ पर
छाती धधक उठी मेरी

उत्तर:- आशय – इन पंक्तियों का आशय यह है कि बेटी की चिता तो जल कर बुझ गई पर उस चिता को देखकर पिता की वेदना चिता जलने लगी।

अर्थ सौंदर्य – इन पक्तियों में अर्थ की सुन्दरता यह है कि एक चिता का बुझना और दूसरी चिता का व्यथा के रूप में पिता के मन में जलना है।

3. हाय ! वही चुपचाप पड़ी थी
अटल शांति-सी धारण कर

उत्तर:- आशय – इन पंक्तियों का आशय यह है कि सुखिया जब ज्वर से पीड़ित हुई तो वह शांति से लेट गई।

अर्थ-सौंदर्य – यहाँ पर अर्थ की सुंदरता यह है कि चंचल बालिका जो एक क्षण भी चुपचाप बैठती नहीं थी आज चुपचाप अटल शांति को धारण कर चुकी थी।

********** धन्यवाद **********